IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 1, November 2023

पं. दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन पर आधारित शैक्षिक प्रारूप का विवेचनात्मक अध्ययन

डॉ. गीतू गुप्ता व डॉ. युद्धवीर सिंह
विभागाध्यक्ष, स्ववित्तपोषित बी. एड., स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थान सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय, नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल
प्राचार्य, कुकरेजा इन्स्टीट्यूट ऑफ टीचर एजूकेशन, देहरादून

सारांश

किसी समाज की शिक्षा मुख्य रूप दर्शन का प्रभाव बड़ा स्थाई होता है। ऐसे में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के शैक्षिक व दार्शनिक विचारों की छाप शिक्षा के स्वरूप पर भी दिखलाई पड़ता है। पं0 दीनदयाल जी अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये एक नियोजित व व्यवस्थित पाठ्यक्रम की योजना पर बल देते हैं। उनका मानना है कि शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता है जो समयानुसार व उपयोगितानुसार व्यवस्थित व नियोजित किया गया हो। पण्डितजी ने अपने पाठ्यक्रम नियोजन में प्राचीन, नवीन, वैज्ञानिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक और भौतिक विषयों को अत्यन्त मौलिक ढंग से समन्वित किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सहपाठ्यचारी क्रियायें बालक के विकास में बड़ा योगदान देती है अतः खेलकूद और अभिनय आदि को पाठ्यचर्या में स्थान देना चाहिये। इनके अनुसार शिक्षण पद्धतियों का चयन बहुत समझदारी से करना चाहिये। इसके साथ ही शिक्षक प्रभावपूर्ण तरीके से छात्रों को अपने विषय का ज्ञान दे सके। उन्होंने अपनी शिक्षण विधियों में प्राचीन और पाश्चात्य या नवीन विधियों को स्थान दिया है। विद्यालय की स्थापना खुले और स्वच्छ वातावरण में की जाये तथा विद्यालय को बहुत ही व्यवस्थित, अनुशासित एवं कुशलतापूर्वक अपने कार्य संगठन को संचालित करने वाला होना चाहिये। पंडित दीनदयाल जी के अनुसार शिक्षक–शिक्षार्थी सम्बन्ध प्राचीन काल से चले आ रहें हैं उनका मत है कि गुरू व शिष्य के मध्य सम्बन्ध बहुत ही आत्मीय, स्नेहिल, गरिमामय, मित्रवत्, पिता-पुत्र तुल्य तथा सम्मानजनक होने चाहिये।

संकेत शब्द – पाठ्यक्रम, शिक्षणविधियाँ, अनुशासन, पाठ्यसहगामी क्रियायें, स्त्रीशिक्षा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- भिषीकर, चन्द्रशेखर परमानन्दः1991, द्वितीय संस्करण, "पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन" खण्ड–5 (राष्ट्र की अवधारणा), सुरुचि प्रकाशन, झण्डेवालान, नईदिल्ली–110055
- देवधर, विश्वनाथ नारायणः1987, प्रथम संस्करण ,"पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन", खण्ड–7 (व्यक्ति दर्शन), सुरुचि प्रकाशन, झण्डेवालान, नईदिल्ली–110055
- गुप्त, तनसुखरामः2005, प्रथम संस्करण,"पं0 दीनदयाल उपाध्याय महाप्रस्थान", सूर्य भारती प्रकाशन,नई दिल्ली–110006
- गर्ग, पंकज कुमारः2003, (सित0–अक्टू0),अंक–55,"दयाल पत्रिका",पं0 दीनदयाल उपाध्याय संस्थान (रजि0), मेरठ–250001

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 1, November 2023

- गर्ग ,पंकज कुमार:2005, (सित0–अक्टू0),अंक–66,,"दयाल पत्रिका",पं0 दीनदयाल उपाध्याय संस्थान (रजि0), मेरठ–250001
- गर्ग, पंकज कुमार:2005, (नव0–दिस0),अंक–67,,"दयाल पत्रिका",पं0 दीनदयाल उपाध्याय संस्थान (रजि0), मेरठ–250001
- गर्ग, पंकज कुमार:2006, (जन0–फर0),अंक–68,"दयाल पत्रिका",पं0 दीनदयाल उपाध्याय संस्थान(रजि0), मेरठ–250001
- गर्ग, पंकज कुमार:2006 ,(मार्च–अप्रैल0),अंक–69,"दयाल पत्रिका",पं0 दीनदयाल उपाध्याय संस्थान(रजि0), मेरठ–250001
- जोग, बलवन्त नारायण:1991, "पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन",खण्ड–6, सुरुचि प्रकाशन,झण्डेवालान, नईदिल्ली–110055
- कुलकर्णी, शरद अनन्त:1991, द्वितीय संस्करण ,"पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन", खण्ड–4,सुरुचि प्रकाशन, झण्डेवालान, नईदिल्ली–110055
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- शर्मा, हरीदत्त:2005 ,"पं0 दीनदयाल उपाध्याय (राष्ट्रीय जीवन माला)", डायमण्ड पाकेट बुक्स, एक्स–30 ओखला फेज सैकेण्ड, नई दिल्ली
- शर्मा, महेश चन्द्र:2004, द्वितीय संस्करण, "पं0 दीनदयाल उपाध्याय" सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत पटियाला हाउस, नई दिल्ली–110001
- शर्मा रामनाथ व शर्मा राजेन्द्र कुमार:2006, द्वितीय संस्करण, "शिक्षा दर्शन", एटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटरर्स, बी–2,विशाल एन्क्लेव,नईदिल्ली–110027
- ठेंगड़ी दत्तोपन्त:1991, द्वितीय संस्करण, "पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन", खण्ड–1
- (तत्वजिज्ञासा), सुरुचि प्रकाशन, झण्डेवालान, नईदिल्ली–110055 तिवारी, केदारनाथ:2006, पंचम् संस्करण, "तत्व मीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा", मोतीलाल बनारसीदास, 41,यू0ए0बंग्ला रोड,जवाहरनगर, दिल्ली–110077
- उपाध्याय,दीनदयाल:2007, दशम् संस्करण, "राष्ट्र जीवन की दिशा", लोकहित प्रकाशन, संस्कृति भवन राजेन्द्रनगर,लखनऊ–226004